गिरिराज सिंह
GIRIRAJ SINGH

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

D.O. No....423/...MOS (MSME)/20..15..

राज्य मंत्री
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
भारत सरकार
नई दिल्ली - 110011

MINISTER OF STATE
FOR
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110011

दिनांक: 08.01.2016

श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी,

आपके स्नेहाशीष के रूप में मुझे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री का प्रभार मिला जिसके अंतर्गत खादी सेक्टर है. खादी से मेरा जुड़ाव मेरी स्वर्गीय माताश्री के समय से है, जब वो चरखे पे सूत काता करती थीं. 03 अक्टूबर 2014 को "मन की बात" के दौरान राष्ट्र को खादी अपनाने की आपकी अपील के उपरांत जब खादी की बिक्री में 60 से 125% की वृद्धि हुई तो खादी के वस्त्रों की प्रछन्न मांग स्पष्ट रूप से उजागर हुई. परन्तु अपार संभावनाओं के बावजूद आज खादी वस्त्र उत्पादन आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है. बुनकरों का पलायन और सरकारी अनुदान पर खादी संस्थानों का निर्वहन एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. खादी क्षेत्र के खोये हुए गौरव को लौटाने के लिए चहुँओर प्रयास की आवश्यकता है जिनमें से प्रमुख हैं

1. चरखा के मॉडल में तकनीकी एवं वैज्ञानिक सुधार
2. बुनकर की आय वृद्धि को सम्मानजनक स्तर तक सुनिश्चित करना
3. खादी वस्त्रों के लिए सांस्थानिक बाजार सुनिश्चित करना
4. खादी उद्यमिता को प्रोत्साहित करना
5. आधुनिक डिजाइन इनपुट
6. प्रचार एवं विज्ञापन में युवा रोल मॉडल
7. ग्रीन खादी (सोलर ऊर्जा, ज़ीरो कार्बन पदचिन्ह एवं न्यूनतम जल उपभोग)
8. सूत/वस्त्र उत्पादन का विकेंद्रीकरण

मैंने अपने स्तर पर इन सुधारों के लिए अध्ययन एवं प्रयास आरम्भ किया है. सर्वप्रथम मैंने चरखा मॉडल में मानव श्रम को सोलर ऊर्जा से विस्थापित किया और वर्तमान में उपलब्ध 8 spindle चरखे को 32 spindle चरखे में परिणत करने का प्रयास किया है. इस आशय हेतु मैंने सोलर चरखे के साथ मेरे संसदीय क्षेत्र नवादा स्थित सांसद आदर्श ग्राम खनवाँ में एक पाइलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया है जिसके परिणाम उत्साहजनक हैं. पारम्परिक रूप से खेती पर निर्भर इन ग्रामीण महिलाओं को एक वैकल्पिक आय का स्रोत मिला है तथा उन्नत मॉडल चरखे के प्रयोग से इनकी मासिक आमदनी जो वर्तमान में 6000 रुपए है को 10000 रुपए तक बढ़ाये जाने की संभावना है. इस तरह के विकेंद्रीकृत सूता/वस्त्र उत्पादन से गरीबी हटाने के प्रयास को संवेग मिलेगा।

गिरिराज सिंह
GIRIRAJ SINGH

राज्य मंत्री
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
भारत सरकार
नई दिल्ली-110011

MINISTER OF STATE
FOR
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110011

मेरा विजन है, " वर्ष 2022 तक चरणबद्ध तरीके से 50 लाख सोलर चरखे और समानुपातिक सोलर करघे, अन्य उपकरण एवं मूल्य संवर्धन (value addition) के माध्यम से 5 करोड़ ग्रामीणों को वैकल्पिक रोज़गार उपलब्ध कराना।" प्रथम चरण में वर्ष 2016-17 में 750 सांसद आदर्श ग्रामों को लक्षित करने की मेरी रणनीति है. इस विजन को अमली ज़ामा पहनाने के लिए भवदीय से मेरा निम्न आग्रह है:

1. सोलर पम्प मिशन की तर्ज़ पर सोलर चरखा मिशन का शुभारम्भ
2. सोलर चरखा सेक्टर सूत उत्पादन को हैंडलूम से जोड़ने के लिए एक अंतर मंत्रालयीय (वस्त्र मंत्रालय एवं सूलमउ मंत्रालय) की समन्वय समिति का गठन.
3. संस्थागत मांग सुनिश्चित करने हेतु राज्य सरकारों के साथ समन्वय बैठक
4. खादी संस्थानों में A तथा A+ श्रेणी को लक्षित करके सोलर चरखा मिशन से जोड़ना
5. मिल, रेडीमेड गारमेंट कम्पनियाँ एवं फैशन डिजाइनरों से खादी को फैशन की मुख्यधारा में शामिल करने का आह्वान

उपरोक्त आशय का अवधारणा पत्र मैंने 7 माह पूर्व भवदीय के माननीय प्रधान सचिव श्री नृपेन्द्र मिश्रा जी को समर्पित किया था. इस अवधारणा पत्र पर भवदीय के मार्गदर्शन को लेकर मैं बहुत आशान्वित था. मुझे इस बात की गहरी निराशा है कि यह प्रपत्र बिना समुचित मार्गदर्शन और बिना मेरे संज्ञान के मेरे मंत्रालय को वापस भेज दिया गया. संभवतया मेरे पत्र के मूल उद्देश्य को समझने में चूक हुई या मेरा पत्र अपने आशय को समझाने में नाकाम रहा. अतः उपरोक्त अवधारणा को अग्रतर विकसित करते हुए पुनः भवदीय की सेवा में समर्पित कर रहा हूँ. मेरा नम्र निवेदन है कि इस विषय पर अपने बहुमूल्य विचारों से मुझे लाभान्वित करने की कृपा करें.

सादर,

आपका,

(गिरिराज सिंह)

संलग्नकः यथोपरि।

श्री नरेन्द्र मोदी,
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार,
प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक,
नई दिल्ली।